Patrika - 24.3.2022

जेएनवीयू की परीक्षाएं 5 मई से, परीक्षा में आएगा आधा सिलेबस

30 हजार विद्यार्थियों का इंतजार खत्म

नॉन कोविड में भी कोविड की तरह परीक्षाएं

पत्रिका plus रिपोर्टर

जोधपुर. जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के 30,000 नियमित छात्र-छात्राओं के लिए खुशखबरी है। शैक्षणिक सत्र 2021-22 की परीक्षाएं 5 मई से शुरू होगी। विश्वविद्यालय ने बीते एक महीने से विद्यार्थियों के बीच चल आ रही उहापोह की स्थिति को समाप्त करते हुए गत वर्ष की तरह ही परीक्षाएं आयोजित करने का निर्णय किया है। प्रदेश में उदयपुर स्थित मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के बाद परीक्षा को लेकर निर्णय करने वाला व्यास विवि दूसरा विश्वविद्यालय है। इस बार राज्य सरकार ने परीक्षा को लेकर कोई दिशा निर्देश जारी नहीं किए इसलिए विश्वविद्यालय ने लंबे समय तक इंतजार करने के बाद अब स्वयं अपने स्तर पर ही परीक्षा कार्यक्रम घोषित कर दिया।

परीक्षा तीन घण्टे की बजाय डेढ़ घंटे की ही होगी। परीक्षा में आधा पाठ्यक्रम ही आएगा। स्नातक, स्नातकोत्तर और डिप्लोमा पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को एक दिन में 2 पारियों में 2 प्रश्न पत्र डेढ़-डेढ़ घंटे के देने पड़ेंगे। दोनों प्रश्नपत्र के मध्य ब्रेक नहीं दिया जाएगा। विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों के लिए तीसरा प्रश्न पत्र आगामी दिवस में आयोजित किया जाएगा।

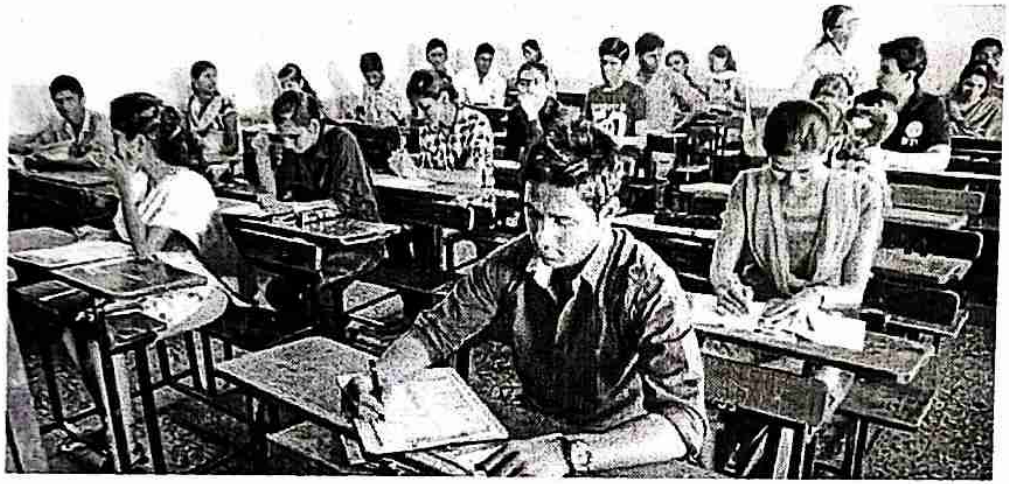

प्रश्न पत्र छप गए, लेकिन अब आधा ही करना है

जेएनवीयू ने सामान्य परीक्षा की तरह प्रश्न पत्र की छपाई पहले से कर ली लेकिन अब उस प्रश्न पत्र से आधा ही हल करना होगा। वैसे तो कोविड-19 की दूसरी लहर के बाद राज्य सरकार ने विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों को बंद नहीं किया था लेकिन कोविड-19 की तीसरी लहर और शैक्षणिक सत्र देरी से शुरू होने की वजह से छात्र-छात्राओं की उतनी पढ़ाई नहीं हो पाई जिसके चलते जेएनवीयू को नॉन कोविड में भी कोविड की तरह परीक्षा लेने का निर्णय करना पड़ा।

सी सेक्शन नहीं करना है, ए व बी करने हैं

- विवि की ओर से पहले छापे गए प्रश्न पत्र में तीनों सेक्शन ए, बी व सी में प्रश्न छपे हुए हैं, लेकिन परीक्षार्थियों को सी सेक्शन नहीं करना है।
- प्रश्न पत्र में केवल ए और बी सेक्शन करने होंगे।
- ए सेक्शन में 10 प्रश्न की बजाय केवल पांच प्रश्न करने हैं।
- बी सेक्शन में 5 प्रश्न की बजाय केवल 3 प्रश्न करने हैं।
- सी सेक्शन नहीं करना है।
- प्रश्न पत्र हल करते समय यूनिट की बाध्यता नहीं होगी।
- कुल मिलाकर आधा प्रश्नपत्र करना होगा लेकिन पूर्णांक पूरे होंगे।

द्वितीय व अंतिम वर्ष के आधार पर मिलेंगे प्रथम वर्ष के अंक

कोरोना की शुरुआत में वर्ष 2020 में महाविद्यालय अथवा विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को स्नातक प्रथम वर्ष में प्रमोट किया गया था। गत वर्ष उन्होंने द्वितीय वर्ष की परीक्षा दी और इस साल वे अंतिम वर्ष की परीक्षा में बैठने जा रहे हैं। ऐसे विद्यार्थियों के अंतिम वर्ष और द्वितीय वर्ष के अंकों का औसत प्रथम वर्ष में देकर अंकतालिका जारी की जाएगी।

प्रायोगिक परीक्षाएं 28 मार्च से

- 28 मार्च से शुरू होगी जेएनवीयू की प्रायोगिक परीक्षाएं, पहले प्रथम वर्ष की
- 6 अप्रेल से शुरू होगी स्नातक द्वितीय वर्ष की प्रायोगिक परीक्षाएं
- 11 अप्रैल से शुरू होगी स्नातक अंतिम वर्ष की प्रायोगिक परीक्षाएं
- 30 हजार करीब नियमित विद्यार्थी है जेएनवीयू के
- 100 से अधिक परीक्षा केंद्र बनाए जाएंगे संभाग में

राज्य सरकार की ओर से कोई दिशा निर्देश नहीं मिले। लंबे समय से विद्यार्थियों में ऊहापोल की स्थिति थी कि क्या पढ़े, कितना पढ़े। अब इसका हल निकाल लिया गया है। परीक्षाएं गत वर्ष की तरह ही ली जाएगी। परीक्षा 5 मई से शुरू हो रही है। जल्द परीक्षा कार्यक्रम जारी किया जाएगा। **- प्रो केआर गेनवा,** परीक्षा नियंत्रक, जेएनवीयू

Forward to Notice Board & Website

24.3.2022